पंजीयन क्र. :– 2672 दिनाङ्क 07.03.72

दूरभाष/फैक्स :– 0761–2426110

# सरस्वती शिक्षा परिषद मध्यप्रदेश

## महाकोशल प्रांत

नरसिंह मंदिर के पीछे, शास्त्री पुल, जबलपुर–482001

www.vidyabhartimahakoshal.org

Email-parishadjbp@gmail.com

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

पत्र क्र. 567 /2018–19

दिनाङ्क 12.11.2018

प्रति,

व्यवस्थापक / प्राचार्य / प्रधानाचार्य
सरस्वती शिशु मंदिर / उच्च.माध्य.विद्यालय
महाकोशल प्रान्त

**विषय :– गोपाष्टमी पर्व 15 नवम्बर को विद्यालय स्तर पर गौपूजन के कार्यक्रम करने हेतु।**

महोदय,

विद्यालयों में **गोपाष्टमी पर्व 15 नवम्बर** को आयोजन किया जाना है–

**गोभिर्विप्रैश्च वेदैश्च सतीभिः सत्यवादिभिः।**
**अलुब्धैर्दानशीलैश्च सप्तभिर्धार्यते मही।।**

हम सनातन हिन्दू धर्मावलम्बी के पूर्वज परम गोभक्त रहे हैं। गोवंश की सेवा करना हमारा पुनीत कर्तव्य है, गोपालन की अभिरूचि हमारी पारम्परिक विरासत है। हम सबको स्मरण होगा कि हमारे घर में दादा–दादी और हमारे ननिहाल में नाना–नानी प्रतिदिन भोजन करने के पूर्व गोग्रास निकाला करते थे। घर की पहली रोटी गाय के लिये निकाली जाती थी। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिये कि परमात्मा ने इस सृष्टि को दो भागों में रचा है– एक मुखर सृष्टि है जिसका नाम मानव सृष्टि और दूसरी सृष्टि है मूक प्राणियों की, जो बोल नहीं सकते, उनका प्रतिनिधित्व गाय करती है। गाय (गोवंश) की सेवा करने का अर्थ है मूक प्राणियों के जीवन की रक्षा करना इस महत्वपूर्ण कार्य को हम एक आदर्श वाक्य में रोज दुहराते हैं – (जियो और जीने दो) ।

वर्तमान में गोवंश (गायों) की बड़ी दुर्दशा है, हम आज भी गायें पालते हैं किन्तु उनका दूध निकालने के बाद उन्हें खुली छोड़ देते हैं गायें सड़कों पर भटकते हुए कचरा खाकर, द्रुत गति से भागते वाहनों से टकराकर जख्मी होकर सड़कों पर छटपटाती रहती है। अतः इनकी चिंता हमें आपको ही करनी होगी।

आगामी 15 नवम्बर 2018 को गोपाष्टमी का दिन है, यह दिन गायों के पूजन का दिन है, समाज के सुधीजनों के साथ विचार–विमर्श में एक सुविचार आया कि महाकोशल प्रान्त में विद्या भारती द्वारा मार्गदर्शित सरस्वती शिशु मंदिर के भैया–बहिनों के माध्यम से गोपाष्टमी के दिन ''गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन'' विषय पर चर्चा हो तथा प्रत्येक भैया–बहिन जिस कक्षा में अध्ययनरत हैं उसी अनुपात में धनराशि (जैसे कक्षा दशम में अध्ययनरत छात्र द्वारा 10 रूपये का सहयोग) एकत्रित करें। इसी संग्रहित राशि से गो उपचार वाहन क्रय करके उसके माध्यम से सड़कों पर जख्मी एवं बीमार गायों को चिकित्सा केन्द्र अथवा गोशाला में पहुँचाया जायेगा। इस पुनीत कार्य में गोग्रास निकालने की भाँति पुण्य अर्जित होगा। आप सभी से प्रार्थना है कि गोपाष्टमी के दिन सरस्वती शिशु मंदिर के सभी भैया–बहिन इस श्रेष्ठ कार्य में सहभागी बनें।

डॉ. नरेन्द्र कोष्टी

( डॉ. नरेन्द्र कुमार कोष्टी )
प्रादेशिक सचिव

**प्रतिलिपि–**

1– जिला सचिव, सरस्वती शिक्षा परिषद म0प्र0 महाकोशल प्रांत।
2– विभाग समन्वयक, सरस्वती शिक्षा परिषद म0प्र0, महाकोशल प्रांत

डॉ. नरेन्द्र कोष्टी

( डॉ. नरेन्द्र कुमार कोष्टी )
प्रादेशिक सचिव

(ssp-2)